भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
31.07.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1412 का उत्तर

कर्नाटक में रेल परियोजनाएं

1412. श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिलों में स्थित रेलवे स्टेशनों का ब्यौरा क्या है;
(ख) उपरोक्त जिलों में नियोजित और लंबित रेल परियोजनाओं/कार्यों का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार की इन रेलवे स्टेशनों को आधुनिक अवसंरचना के साथ विकसित करने की कोई योजनाएं हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार की कर्नाटक के इन जिलों में रेल नेटवर्क/संपर्क और रेल सेवाओं में वृद्धि करने की कोई योजनाएं हैं; और
(ङ) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

s.k

कर्नाटक में रेल परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 31.07.2024 को लोक सभा में श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी के अतारांकित प्रश्न सं. 1412 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन किया जाता है न कि जिला-वार/राज्य-वार क्योंकि रेल परियोजनाएं विभिन्न जिलों/राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैली होती हैं। बहरहाल, 01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, कर्नाटक राज्य में पूर्णत:/अंशत: आने वाली ₹47,016 करोड़ लागत की 3,840 कि.मी. कुल लंबाई की 31 रेल अवसंरचनात्मक परियोजनाएं (21 नई लाइन और 10 दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 1,302 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक ₹17,383 करोड़ का व्यय किया जा चुका है। इसमें ₹33,125 करोड़ की लागत पर 2,556 कि.मी. कुल लंबाई की 21 नई लाइन परियोजनाएं जिनमें से 395 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक ₹7,592 करोड़ का व्यय किया गया है और साथ ही ₹13,891 करोड़ की लागत वाली 1,284 कि.मी. कुल लंबाई की 10 दोहरीकरण परियोजनाएं, जिनमें से 907 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक ₹9,791 करोड़ का व्यय किया गया है, शामिल है।

वर्ष 2014 से, कर्नाटक राज्य में बजट आबंटन और परियोजनाओं के लिए तद्नुरूपी कमीशनिंग में पर्याप्त वृद्धि हुई है, जो निम्नानुसार है:-

अवधि	औसत परिव्यय	2009-14 के दौरान औसत आबंटन के संबंध में वृद्धि
2009-14	₹835 करोड़/वर्ष	-
2023-24	₹7,561 करोड़	9 गुना
2024-25	₹7,559 करोड़	9 गुना

s.k

कर्नाटक राज्य में पूर्णत:/अंशत: आने वाली अवसंरचना परियोजनाओं की कमिशनिंग निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किया गया कुल रेलपथ	कमीशन किया गया औसत रेलपथ	2009-14 के दौरान औसत आबंटन की तुलना में वृद्धि
2009-14	565 किमी	113 किमी/वर्ष	-
2014-24	1,633 किमी	163 किमी/वर्ष	1.44 गुना

भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की गई है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है। इस योजना में प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए स्टेशनों पर स्टेशनों तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालयों, शौचालयों, आवश्यकता अनुसार लिफ्टों/स्वचालित सीढ़ियों, स्वच्छता, निःशुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणालियों, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यापारिक बैठकों के लिए नामांकित स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं को बेहतर करने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणों में उसका क्रियान्वयन शामिल है।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्ध योजना और व्यवहार्यता के अनुसार, स्टेशन इमारत में सुधार, शहर के दोनों छोर के साथ स्टेशन को जोड़ने, मल्टीमॉडल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, स्थायी और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ का प्रावधान और लंबी अवधि में स्टेशन पर सिटी सेंटरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक भारतीय रेल पर इस योजना के तहत विकास के लिए 1324 रेलवे स्टेशनों की पहचान की गई है, जिनमें से 59 स्टेशन कर्नाटक राज्य में स्थित हैं।

s.k

कर्नाटक राज्य में विकास के लिए पहचान की गई स्टेशनों की सूची निम्नानुसार हैः-

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
कर्नाटक	59	अलमट्टी, अलनावर, अर्सिकेरे जंक्शन, बादामी, बागलकोट, बल्लारी, बेंगलुरु कैंट, बंगारपेट, बंटावाला, बेलगावी, बीजापुर, चामराज नगर, चन्नापटना, चन्नासांद्रा, चिक्कमगलुरु, चित्रदुर्ग, दावणगेरे, धर्मपुरी, धारवाड़, डोडबल्लापुर, गडग, गंगापुर रोड, गंगावति, घटप्रभा, गोकक रोड, हरिहर, हसन, होसपेटे, कलबुर्गी, केंगेरी, कोप्पल, क्रांतिविरा संगोल्ली रायन्ना (बेंगलुरु स्टेशन), कृष्णराजपुरम, मल्लेश्वरम, मालूर, मांड्या, मंगलुरू सेंट्रल, मंगलुरू जं., मुनिराबाद, मैसूरु, रायबाग, रायचुर, रामानगरम, रानीबेन्नूर, सागर जंबगरु, सकलेशपुर, साहाबाद, शिवमोग्गा टाउन, श्री सिद्धारूढ़ स्वामीजी हुबली जंक्शन, सुब्रमण्यम रोड, तलगुप्पा, तिप्तुर, तुमकुरु, उडुपी, वाडी, व्हाइटफील्ड, यादगिर, यशवंतपुर, चिकोडी रोड स्टेशन

इसके अलावा, भारतीय रेल पर स्टेशनों का उन्नयन/विकास/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य परस्पर प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकता के अनुसार किए जाते हैं। बहरहाल, स्टेशनों के उन्नयन/विकास/आधुनिकीकरण के लिए कार्य को मंजूरी देने और निष्पादित करते समय निम्न कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्च कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

s.k

चूंकि रेल नेटवर्क राज्य/जिला सीमाओं के आर-पार फैला हुआ है, इसलिए ऐसी सीमाओं के आर-पार नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार रेलगाड़ियां शुरू की जाती हैं। बहरहाल, भारतीय रेल में रेलगाड़ी सेवाएं शुरु करना यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन सतत प्रक्रिया हैं।

******

s.k